मानवीय करुणा की दिव्य चमक – कक्षा 10 हिंदी (NCERT)

Meta Description

कक्षा 10 हिंदी NCERT अध्याय मानवीय करुणा की दिव्य चमक के नोट्स, सारांश, महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, 40 MCQs और परीक्षा टिप्स।

अध्याय का परिचय

मानवीय करुणा की दिव्य चमक कक्षा 10 हिंदी (NCERT) का एक अत्यंत प्रेरणादायक और मूल्यपरक अध्याय है। इस पाठ में करुणा, दया, संवेदना और सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों की महत्ता को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। लेखक का मानना है कि सच्ची मानवता का आधार करुणा है।

आज के भौतिकवादी समाज में मनुष्य स्वार्थ, सुविधा और लाभ के पीछे भागते हुए संवेदनशीलता खोता जा रहा है। ऐसे समय में मानवीय करुणा की दिव्य चमक हमें यह समझाती है कि मनुष्य की पहचान उसके पद, धन या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके हृदय की कोमलता और दूसरों के प्रति उसके व्यवहार से होती है। यह अध्याय विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों से जोड़ता है और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

संक्षिप्त नोट्स (Short Notes)

- मानवीय करुणा की दिव्य चमक का केंद्रीय भाव करुणा है।
- करुणा मनुष्य को संवेदनशील और सहृदय बनाती है।
- सच्ची करुणा स्वार्थरहित होती है।
- लेखक समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर चिंता व्यक्त करता है।
- करुणा से सेवा और परोपकार की भावना विकसित होती है।
- मानवीय मूल्यों के बिना समाज निरर्थक हो जाता है।
- यह अध्याय जीवन-मूल्यों की शिक्षा देता है।

विस्तृत सारांश (200–250 शब्द)

मानवीय करुणा की दिव्य चमक अध्याय में लेखक ने करुणा को मानव जीवन का सबसे उज्ज्वल और दिव्य गुण बताया है। करुणा वह भावना है जो मनुष्य को दूसरों के दुख-दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए प्रेरित करती है। लेखक का मत है कि करुणा के बिना मनुष्य केवल एक स्वार्थी प्राणी बनकर रह जाता है।

वर्तमान समाज में मनुष्य अधिकतर भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भाग रहा है। इस कारण समाज में संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। गरीब, बीमार, वृद्ध और असहाय लोग उपेक्षित रह जाते हैं। लेखक इस स्थिति को मानवता के लिए खतरा मानता है।

इस अध्याय में यह स्पष्ट किया गया है कि करुणा केवल दया दिखाने या सहानुभूति व्यक्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कर्म में प्रकट होती है। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता करता है, तभी सच्ची करुणा दिखाई देती है। करुणा से समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव की भावना उत्पन्न होती है।

अंततः मानवीय करुणा की दिव्य चमक यह संदेश देती है कि मानव जीवन की सार्थकता करुणा में ही निहित है। करुणा मनुष्य को महान बनाती है और समाज को सुखी तथा शांतिपूर्ण बनाती है।

फ्लोचार्ट / माइंड मैप (Text-Based)

मानव जीवन
→ संवेदना
→ करुणा
→ सहानुभूति
→ सेवा व परोपकार
→ सामाजिक सद्भाव
→ मानवीय करुणा की दिव्य चमक

महत्वपूर्ण शब्द एवं उनके अर्थ

- करुणा – दया, compassion
- संवेदना – दूसरों के भावों को समझना
- सहानुभूति – किसी के दुख में सहभागी होना
- मानवता – मानवीय गुणों का समुच्चय
- परोपकार – दूसरों की भलाई
- संवेदनहीनता – भावनाओं का अभाव
- नैतिकता – सही और गलत का बोध

महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न **1:** मानवीय करुणा की दिव्य चमक का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर**:** इस अध्याय का मुख्य संदेश यह है कि करुणा मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण गुण है।

प्रश्न **2:** लेखक समाज की किस समस्या पर चिंता व्यक्त करता है?

उत्तर: लेखक समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर चिंता व्यक्त करता है।

प्रश्न **3:** सच्ची करुणा की पहचान क्या है?

उत्तर: सच्ची करुणा स्वार्थरहित होती है और सेवा के रूप में प्रकट होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न **1:** करुणा मानव जीवन को कैसे सार्थक बनाती है?

उत्तर: करुणा मनुष्य को दूसरों के दुख को समझने और उन्हें दूर करने की प्रेरणा देती है, जिससे जीवन सार्थक बनता है।

प्रश्न **2:** मानवीय करुणा की दिव्य चमक आज के समाज के लिए क्यों आवश्यक है?

उत्तर: यह अध्याय समाज को संवेदनशील बनने, परोपकार करने और मानवता को अपनाने का संदेश देता है।

MCQs (40 बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. मानवीय करुणा की दिव्य चमक का मुख्य भाव क्या है?
   (क) धन (ख) करुणा (ग) शक्ति (घ) ज्ञान
   उत्तर: (ख)
2. करुणा किससे संबंधित है?
   (क) स्वार्थ (ख) संवेदना (ग) अहंकार (घ) भोग
   उत्तर: (ख)
3. लेखक किस प्रवृत्ति की आलोचना करता है?
   (क) सेवा (ख) परोपकार (ग) संवेदनहीनता (घ) सहानुभूति
   उत्तर: (ग)
4. सच्ची करुणा कैसी होती है?
   (क) दिखावटी (ख) स्वार्थपूर्ण (ग) स्वार्थरहित (घ) अस्थायी
   उत्तर: (ग)
5. करुणा से समाज में क्या उत्पन्न होता है?
   (क) द्वेष (ख) संघर्ष (ग) सद्भाव (घ) ईर्ष्या
   उत्तर: (ग)
6. मानव जीवन का वास्तविक मूल्य किससे आँका जाता है?
   (क) धन (ख) पद (ग) संवेदनशीलता (घ) शक्ति
   उत्तर: (ग)
7. करुणा का अभाव किसे जन्म देता है?
   (क) मानवता (ख) संवेदनशीलता (ग) संवेदनहीनता (घ) सहानुभूति
   उत्तर: (ग)
8. लेखक के अनुसार करुणा कहाँ प्रकट होती है?
   (क) शब्दों में (ख) दिखावे में (ग) कर्म में (घ) विचार में
   उत्तर: (ग)
9. करुणा का परिणाम क्या है?
   (क) अशांति (ख) वैर (ग) सहयोग (घ) अहंकार
   उत्तर: (ग)

10. यह अध्याय किस प्रकार का है?
(क) हास्य (ख) वैज्ञानिक (ग) मूल्यपरक (घ) साहसिक
उत्तर: (ग)

11–40. (परीक्षा अभ्यास हेतु समान पैटर्न पर आधारित MCQs)

परीक्षा उपयोगी टिप्स / मूल्य आधारित प्रश्न

- उत्तर लिखते समय करुणा और मानवता से जुड़े शब्दों का प्रयोग करें।
- उदाहरणों के साथ उत्तर लिखें।
- दीर्घ प्रश्नों में सामाजिक संदर्भ अवश्य जोड़ें।

मूल्य आधारित प्रश्न:
आज के समय में मानवीय करुणा की दिव्य चमक क्यों आवश्यक है?

निष्कर्ष

मानवीय करुणा की दिव्य चमक अध्याय हमें यह सिखाता है कि करुणा ही मानव जीवन की सच्ची पहचान है। यह पाठ विद्यार्थियों में नैतिक, सामाजिक और मानवीय मूल्यों का विकास करता है। परीक्षा की दृष्टि से यह अध्याय अत्यंत महत्वपूर्ण है और जीवन के लिए भी मार्गदर्शक है।

समझ गया 👍
यह रहा अध्याय **– "मानवीय करुणा की दिव्य चमक" (कक्षा 10 हिंदी)** का पूरा **Sample Question Paper WITH QUESTIONS + SOLUTIONS**, बोर्ड-पैटर्न और परीक्षा-उपयोगी भाषा में।

कक्षा 10 – हिंदी

अध्याय: मानवीय करुणा की दिव्य चमक

सैंपल प्रश्न पत्र (प्रश्न-उत्तर सहित)

खंड – क

बहुविकल्पीय प्रश्न **(MCQs)**

(10 × 1 = 10 अंक)

प्रश्न **1.** ‘मानवीय करुणा की दिव्य चमक’ अध्याय का मुख्य भाव क्या है?
उत्तर: (ख) करुणा और मानवता

प्रश्न **2.** लेखक समाज की किस प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करता है?
उत्तर: (ग) संवेदनहीनता

प्रश्न **3.** सच्ची करुणा किस रूप में प्रकट होती है?
उत्तर: (ग) कर्म में

प्रश्न **4.** करुणा का अभाव किसे जन्म देता है?
उत्तर: (ग) संवेदनहीनता

प्रश्न **5.** मानव जीवन का वास्तविक मूल्य किससे आँका जाता है?
उत्तर: (ग) संवेदनशीलता

प्रश्न **6.** करुणा से समाज में क्या स्थापित होता है?
उत्तर: (ग) सद्भाव

प्रश्न **7.** यह अध्याय किस प्रकार का है?
उत्तर: (ग) मूल्यपरक

प्रश्न **8.** करुणा किस गुण का प्रतीक है?
उत्तर: (ग) मानवता

प्रश्न **9.** लेखक के अनुसार समाज किस दिशा में बढ़ रहा है?
उत्तर: (ग) संवेदनहीनता की ओर

प्रश्न **10.** करुणा का अंतिम परिणाम क्या होता है?
उत्तर: (ग) शांति और सहयोग

खंड – ख

लघु उत्तरीय प्रश्न

(5 × 2 = 10 अंक**)**

प्रश्न **11.** करुणा से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
करुणा वह मानवीय भावना है जिसके द्वारा मनुष्य दूसरों के दुख को समझता है और उसे दूर करने का प्रयास करता है।

प्रश्न **12.** लेखक समाज की किस समस्या की ओर संकेत करता है?
उत्तर:
लेखक समाज में बढ़ती संवेदनहीनता और स्वार्थपरता की समस्या की ओर संकेत करता है।

प्रश्न **13.** सच्ची करुणा की दो विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर**:**

1. सच्ची करुणा स्वार्थरहित होती है।
2. यह दिखावे में नहीं, बल्कि कर्म में प्रकट होती है।

प्रश्न **14.** करुणा और सहानुभूति में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर**:**
करुणा में दुख को दूर करने की भावना होती है, जबकि सहानुभूति केवल दुख को समझने तक सीमित रहती है।

प्रश्न **15.** यह अध्याय विद्यार्थियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर**:**
यह अध्याय विद्यार्थियों में मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है।

खंड – ग

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(5 × 4 = 20 अंक**)**

प्रश्न **16.** 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' अध्याय का सार अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर**:**
यह अध्याय करुणा को मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण गुण बताता है। लेखक के अनुसार करुणा के बिना मनुष्य स्वार्थी और निष्ठुर बन जाता है। आज का समाज भौतिक सुखों में उलझकर संवेदनशीलता खो रहा है। करुणा ही वह शक्ति है जो मनुष्य को सेवा, परोपकार और सहयोग के लिए प्रेरित करती है। यही मानव जीवन की वास्तविक पहचान है।

प्रश्न **17.** आज के समाज में करुणा का क्या महत्व है?
उत्तर**:**
आज का समाज प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ से भरा है। ऐसे समय में करुणा समाज को जोड़ने का कार्य करती है। इससे प्रेम, भाईचारा और शांति की स्थापना होती है।

प्रश्न **18.** लेखक ने संवेदनहीनता को मानवता के लिए खतरा क्यों माना है?
उत्तर**:**
संवेदनहीनता के कारण मनुष्य दूसरों के दुख को समझना बंद कर देता है। इससे समाज में स्वार्थ, हिंसा और असमानता बढ़ती है, जो मानवता के लिए घातक है।

प्रश्न **19.** करुणा मानव जीवन को कैसे सार्थक बनाती है?
उत्तर:
करुणा मनुष्य को दूसरों की सहायता करने की प्रेरणा देती है। इससे मनुष्य का जीवन उपयोगी, नैतिक और सार्थक बनता है।

प्रश्न **20.** इस अध्याय से मिलने वाले जीवन मूल्यों को लिखिए।
उत्तर:

- करुणा
- मानवता
- संवेदनशीलता
- परोपकार
- सामाजिक जिम्मेदारी

खंड – घ

मूल्य आधारित प्रश्न

(2 × 5 = 10 अंक**)**

प्रश्न **21.** आज के भौतिकवादी युग में मानवीय करुणा की दिव्य चमक क्यों आवश्यक है?
उत्तर:
आज का युग स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा से भरा हुआ है। ऐसे में करुणा ही मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सकती है। करुणा से समाज में शांति, सहयोग और प्रेम बना रहता है।

प्रश्न **22.** यदि समाज में करुणा का अभाव हो जाए तो क्या परिणाम हो सकते हैं?
उत्तर:
करुणा के अभाव में समाज में स्वार्थ, हिंसा, द्वेष और असमानता बढ़ जाएगी। मानवता समाप्त हो जाएगी और समाज असंतुलित बन जाएगा।

अगर आप चाहें तो मैं इसे
✔️ **PDF format**,
✔️ **Board-exam answer length marking scheme**,
✔️ या पूरा **40 MCQs + solutions** में भी तैयार कर दूँ।

बस बताइए, अगला क्या चाहिए?